डीआरडीओ समाचार

www.drdo.gov.in

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

सितम्बर 2023 खण्ड 35 अंक 09

ISSN: 0971-4405

डीआरडीओ ने सीआरपीएफ को कम्प्यूटरीकृत मनोवैज्ञानिक स्क्रीनिंग प्रणाली का हस्तांतरण किया

संरक्षक: डॉ के नागेश्वर राव
मुख्य संपादक: सुधांशु भूषण
संपादक: दीप्ति अरोडा
सहायक संपादक: धर्म वीर
अनुवादक: सुनील कुमार दुबे
मुद्रण: एस के गुप्ता

प्रकाशन का 35वां वर्ष

डीआरडीओ समाचार के ई–संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ गणेश एस धोले, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
		श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई)
बेंगलूरु	:	श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई)
		श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स)
		श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर)
		डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक)
		डॉ संचिता सिल तथा डॉ सुधीर एस काम्बले, रक्षा जैव अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल)
		डॉ वी सेंथिल, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई)
		श्री वेंकटश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई)
		डॉ अशोक बंसीवाल, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ पाल दिनेश कुमार, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशला (टीबीआरएल)
		डॉ अनुजा कुमारी, रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डीजीआरई)
चेन्नई	:	श्री के अंबाझगन, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील)
		श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री तपेश सिन्हा, रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक)
		डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास)
		श्री संतोष कुमार चौधरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर)
		श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)
		श्रीमती रबिता देवी, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा)
		श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी)
		डॉ रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव–ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल)
		श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल)
		डॉ मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
जगदलपुर	:	डॉ गौरव अग्निहोत्री, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री डी के त्रिपाठी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	डॉ मोहीत कटियार, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लीथा एम एम, नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	ग्रुप कैप्टन आर के मंशारमानी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरुगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
नासिक	:	श्री आशुतोष शर्मा, ऊर्जावान सामग्री के लिए अग्रिम केन्द्र (एसीईएम)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई)
		डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी)
		डॉ गणेश शंकर डोम्बे, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ के एस नखुरु, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)

इस अंक में

मुख्य लेख 4
समझौता ज्ञापन 5
घटनाक्रम 5

मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप 18
अवसंरचना विकास 24
सामाजिक क्रियाकलाप 25
निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम 26

वेबसाइटः https://www.drdo.gov.in/samachar
अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें:
director.desidoc@gov.in; drdonl.desidoc@gov.in
दूरभाषः 011-23902403, 23902472
फैक्सः 011-23819151

डीआरडीओ ने सीआरपीएफ को कम्प्यूटरीकृत मनोवैज्ञानिक स्क्रीनिंग प्रणाली (सीओपीएसवाईएसएस) का हस्तांतरण किया

कम्प्यूटरीकृत मनोवैज्ञानिक स्क्रीनिंग प्रणाली (सीओपीएसवाईएसएस) डॉ यूके सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (जीवन विज्ञान) द्वारा डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ की गरिमामयी उपस्थिति में 08 अगस्त 2023 को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक डॉ सुजॉय लाल थाओसेन को सौंपी गई।

इस अवसर पर बोलते हुए, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसन्धान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली की निदेशक डॉ अरुणिमा गुप्ता ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उपयोगकर्ता के अनुकूल सीओपीएसवाईएसएस की संकल्पना की गई, परीक्षण प्रशासन के विशिष्ट तौर–तरीकों को टीम सीआरपीएफ के साथ तालमेल में डीआईपीआर द्वारा बातचीत, क्षेत्र परीक्षणों, ऑनसाइट मूल्यांकन की एक श्रृंखला के बाद विकसित और मानकीकृत किया गया था। इस अवसर के दौरान, कम तीव्रता संघर्ष निदेशालय (डीएलआईसी), डीआरडीओ मुख्यालय की निदेशक, श्री संगीता राव आचार्य अडांकी और उनकी टीम ने सीआरपीएफ के लिए डीआरडीओ द्वारा विकसित की जा रही विभिन्न प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों पर अवलोकन प्रस्तुत किया।

डॉ चंद्रिका कौशिक, महानिदेशक, प्रोडक्शन कोऑर्डिनेशन एंड सर्विसेज इंटरेक्शन (पीसी एंड एसआई), डीआरडीओ मुख्यालय ने डीजी, सीआरपीएफ को कम तीव्रता वाले संघर्ष (एलआईसी) के लिए कई उत्पादों के विकास में डीआरडीओ के अनुसंधान एवं विकास प्रयासों के बारे में जानकारी दी और इस बात पर जोर दिया कि कई स्वदेशी रूप से विकसित रक्षा उत्पाद भारतीय उद्योग द्वारा बड़ी संख्या में उत्पादित किए गए हैं और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) द्वारा उपयोग के लिए उपलब्ध हैं।

डॉ सिंह ने टीम को बधाई दी और सीएपीएफ के समर्थन में जीवन विज्ञान क्लस्टर प्रयोगशालाओं के योगदान को गिनाया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कई नवोन्मेषी उत्पाद पहले ही सीआरपीएफ को सौंपे जा चुके हैं और कुछ पहचाने गए उत्पाद विकास के उन्नत चरण में हैं।

डीआरडीओ के अध्यक्ष ने सीओपीएसवाईएसएस के विकास में उनके सहक्रियात्मक प्रयासों के लिए डीआईपीआर और सीआरपीएफ की टीम के सदस्यों की सराहना की।

डीएलआईसी, डीआरडीओ मुख्यालय द्वारा समन्वित कार्यक्रम में डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक, महानिरीक्षक और सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एईएसएआर (उत्तम) के उत्पादन के लिए त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

07 जुलाई 2023 को एलआरडीई, बेंगलुरु में इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास प्रतिष्ठान (एलआरडीई), हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और उद्योग भागीदारों के बीच एलसीए मार्क–1ए के लिए सक्रिय इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्कैन किए गए ऐरे रडार (एईएसएआर) उत्तम के उत्पादन के लिए त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। बैठक की अध्यक्षता विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (ईसीएस), डॉ बीके दास ने की। इस अवसर पर श्री गम्पाला विश्वम, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एलआरडीई, डॉ डी के सुनील, निदेशक, इंजीनियरिंग (आर एंड डी), श्री दुव्वुरी शेषगिरी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, और एलआरडीई के वरिष्ठ अधिकारी और एचएएल और विभिन्न उद्योग भागीदारों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

घटनाक्रम

एलसीए तेजस से हवा से हवा में मार करने वाली स्वदेशी मिसाइल अस्त्र बीवीआर का सफलतापूर्वक परीक्षण

हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस, एलएसपी–7 ने 23 अगस्त 2023 को गोवा के तट से हवा से हवा में मार करने वाली स्वदेशी मिसाइल अस्त्र दृश्य सीमा से परे (बीवीआर) को सफलतापूर्वक दागा। लगभग 20,000 फीट की ऊंचाई पर विमान से मिसाइल प्रक्षेपण सफलतापूर्वक किया गया। परीक्षण के सभी उद्देश्य पूरे हुए और यह एक आदर्श पाठ्य पुस्तक प्रक्षेपण था। परीक्षण प्रक्षेपण की निगरानी वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए), हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के परीक्षण निदेशक और वैज्ञानिकों के साथ–साथ सेंटर फॉर मिलिट्री एयरवर्थनेस एंड सर्टिफिकेशन (सेमीलेक) और एयरोनॉटिकल क्वालिटी एश्योरेंस महानिदेशालय (डीजी–एक्यूए) के अधिकारियों द्वारा की गई थी। विमान की निगरानी तेजस दो सीटर विमान के माध्यम से पीछा करते हुए की गयी।

अस्त्र, एक अत्याधुनिक बीवीआर हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल है जो अत्यधिक गतिशील सुपरसोनिक हवाई लक्ष्यों को भेदने और नष्ट करने में सक्षम है, इसे डीआरडीओ के रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई) और अन्य प्रयोगशालाओं द्वारा अभिकल्पित और विकसित किया गया है। घरेलू तेजस लड़ाकू विमान से स्वदेशी अस्त्र बीवीआर फायरिंग 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में एक बड़ा कदम है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने तेजस–एलसीए से मिसाइल की सफल फायरिंग के लिए एडीए, डीआरडीओ, सेमिलैक, डीजी–एक्यूए और उद्योग जगत को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रक्षेपण से तेजस की युद्धक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और आयातित हथियारों पर निर्भरता कम होगी। सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ ने भी लॉन्च में शामिल टीमों को बधाई दी।

डीआरडीओ निदेशकों का सम्मेलन-2023

राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति भू-राजनीतिक व्यवस्था में बदलाव के अनुरूप विकसित होनी चाहिएः डीआरडीओ निदेशकों के सम्मेलन में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान

डीआरडीओ निदेशकों का सम्मेलन, डीआरडीओ का एक वार्षिक कार्यक्रम है जो 14 जुलाई 2023 को डीआरडीओ मुख्यालय, नई दिल्ली में मनाया गया। दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन विभिन्न चिंतन शिविर बैठकों के अनुवर्ती और माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा उनके परिणामों की समीक्षा के रूप में किया गया। सम्मेलन में डीआरडीओ के शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें विभिन्न प्रौद्योगिकी के महानिदेशकों के साथ–साथ कॉर्पोरेट क्लस्टर, विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के निदेशक, डीआरडीओ मुख्यालय के निदेशक और एकीकृत वित्तीय सलाहकार (आईएफए) शामिल थे। इस आयोजन में छह तकनीकी सत्रों के माध्यम से 'नई सरकारी नीतियों और उभरते परिदृश्यों के मद्देनजर डीआरडीओ की भूमिका को फिर से परिभाषित करना' विषय के अनुरूप विभिन्न मुद्दों पर विचार–विमर्श शामिल था, प्रत्येक सत्र के बाद एक पैनल चर्चा हुई।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय भू–राजनीति परिवर्तनशील है और राष्ट्रीय रणनीति का लक्ष्य परिवर्तनों को इस तरह आत्मसात करना होना चाहिए कि वह चुनौतियों का सामना कर सके और अवसरों का फायदा उठा सके। जनरल चौहान ने उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रदर्शन, सुधार, परिवर्तन, सूचना और अनुरूपता की आवश्यकता पर बल दिया।

'थिएटराइजेशन से उभरती प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी और रणनीति में श्रेष्ठता समय की मांग है और भारतीय सशस्त्र बल प्रतिबद्धता हासिल करने के लिए नई प्रौद्योगिकियों

में निवेश कर रहे हैं। संयुक्तता, एकीकरण और रंगमंचीकरण के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए जनरल अनिल चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में रंगमंचीकरण की अवधारणा एक मौलिक परिवर्तन है जो विचाराधीन है।

"यह आजादी के बाद किए गए दूरगामी प्रभावों वाले सबसे महत्वाकांक्षी परिवर्तनों में से एक है। इस यात्रा की शुरुआत पहले संयुक्तता और एकीकरण की दिशा में उठाए जाने वाले सही कदमों पर निर्भर करती है। थिएटरीकरण में संघर्ष के पूरे स्पेक्ट्रम पर प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए त्रि–सेवा थिएटर–विशिष्ट संरचनाओं का निर्माण शामिल है," जनरल अनिल चौहान।

सचिव डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ, डॉ समीर वी कामत ने अपने उद्घाटन भाषण के दौरान युद्ध में होने वाले बदलावों और उनमें शामिल गंभीरता पर प्रकाश डाला। उन्होंने माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया के लक्ष्य के अनुरूप सुधार और बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया। जनरल चौहान ने आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप उद्योग के लिए डिजाइन, विकास और निर्माण के लिए डीआरडीओ की प्रणालियों और उप–प्रणालियों की दूसरी सूची जारी की। यह दूसरी सूची पहले जारी की गई 108 वस्तुओं की सूची की निरंतरता में है। उन्होंने 'उत्पादन समन्वय के लिए डीआरडीओ दिशानिर्देश' भी जारी किए, जो डीआरडीओ द्वारा विकसित सैन्य उपकरणों/प्लेटफार्मों/प्रणालियों के उत्पादन से जुड़े मुद्दों के उत्पादन समन्वय और समाधान के लिए तंत्र की रूपरेखा तैयार करते हैं। दिशानिर्देशों ने डिजाइनरों, उपयोगकर्ताओं, उत्पादन एजेंसियों, गुणवत्ता एजेंसियों और अन्य हितधारकों को शामिल करके इन प्रणालियों के उत्पादन से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए एक दो–स्तरीय तंत्र तैयार किया। यह पहल भारतीय रक्षा उद्योग के लिए आत्मनिर्भर भारत की दिशा में रक्षा प्रौद्योगिकियों/प्रणालियों को विकसित करने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

आजादी का अमृत महोत्सव

आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) आजादी के 75 साल और अपने लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास का जश्न मनाने और स्मरण करने के लिए भारत सरकार की एक पहल है। यह महोत्सव भारत के लोगों को समर्पित है, जिन्होंने न केवल भारत को उसकी विकासवादी यात्रा में इतना आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, बल्कि उनके भीतर आत्मनिर्भर भारत की भावना से माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के भारत 2.0 को सक्रिय करने के दृष्टिकोण को सक्षम करने की शक्ति और क्षमता भी है।

डीआरडीओ की निम्नलिखित प्रयोगशालाओं ने अपने उत्पादों, प्रौद्योगिकियों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए कई कार्यक्रमों और विज्ञान प्रदर्शनियों का आयोजन करके आजादी का अमृत महोत्सव का जश्न मनाया। विज्ञान प्रदर्शनी आजादी का अमृत महोत्सव की थीमः डिफेंस आर एंड डी इकोसिस्टम का विकास–आत्मनिर्भरता का मार्ग' के अनुरूप थी।

एसीईएम, नासिक

ऊर्जावान सामग्री के लिए अग्रिम केन्द्र (एसीईएम), नासिक ने 26–28 जुलाई 2023 के दौरान ओजर, नासिक में और 29 जुलाई 2023 को डीआरडीओ आवासीय कॉलोनी, सिडको में चार दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन 26 जुलाई 2023 को श्री टीवी जगदीश्वर राव, जीएम, एसीईएम द्वारा किया गया था। नासिक शहर के विभिन्न विज्ञान और इंजीनियरिंग कॉलेजों/संस्थानों और स्कूलों के 700 से अधिक स्नातक छात्रों ने प्रदर्शनी का दौरा किया। प्रदर्शनी को तीन भागों में स्थापित किया गया था, जिसमें वीडियो ट्यूटोरियल, एक पोस्टर गैलरी और डीआरडीओ और एसीईएम द्वारा किए गए कार्यों के विभिन्न पहलुओं की एक इंटरैक्टिव चर्चा शामिल थी।

प्रयोगशाला के विभिन्न प्रभागों ने मॉडल, चार्ट, प्रोटोटाइप और पोस्टर के रूप में ठोस प्रणोदक के प्रसंस्करण में अपने कार्यों को प्रदर्शित किया। इनसे छात्रों को सामान्य रूप से रॉकेट मोटर्स और ठोस प्रणोदक की बारीकियों को समझने में मदद मिली। छात्रों और शिक्षकों ने डीआरडीओ के अनूठे उत्पादों को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी आयोजित करने के लिए एसीईएम द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम बेहद सफल रहा और एसीईएम आने वाले वर्षों में कई और शोध उत्पाद लेकर आएगा।

सीवीआरडीई, चेन्नई

लड़ाकू वाहन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (सीवीआरडीई), चेन्नई ने 21–23 जुलाई 2023 के दौरान एक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया। छात्र समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए, एस एंड टी के क्षेत्र में, विशेष रूप से डीआरडीओ में उपलब्ध विभिन्न अवसरों को समझाने के लिए एक समर्पित सत्र की व्यवस्था की गई थी। प्रदर्शनी के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिकों के व्याख्यान, सीवीआरडीई–विकसित उत्पादों के बारे में एक वीडियो शो, इनडोर परिसर में स्केल–डाउन मॉडल और बाहरी क्षेत्र में मूल उपकरणों के प्रदर्शन की व्यवस्था की गई थी। 3500 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रदर्शनी देखी और प्रदर्शित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों में गहरी रुचि ली।

श्री जे राजेश कुमार, वैज्ञानिक 'एच' और अतिरिक्त निदेशक (एमबीटी), अध्यक्षय; श्री टी पनीरसेल्वम, वैज्ञानिक 'जी' और अतिरिक्त निदेशक (टीओटी), श्री के अंबाझगन, वैज्ञानिक 'एफ' और प्रमुख (प्रदर्शनी और मीडिया इंटरेक्शन सर्विसेज) के समग्र समन्वय के साथय और प्रयोगशाला पीआरओ श्री आरपी चन्द्रशेखर, वैज्ञानिक 'डी' द्वारा प्रदर्शनी का समन्वय किया गया ।

महाप्रबन्धक, एसीईएम छात्रों से संवाद करते हुए

सीवीआरडीई, चेन्नई में एकेएएम समारोह

डेसीडॉक, दिल्ली

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग (एलआईएस), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के तीन प्रोफेसरों के साथ पचपन छात्रों ने 02 अगस्त 2023 को रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डीईएसआईडीओसी), दिल्ली का दौरा किया। छात्रों ने डेसीडॉक के रक्षा विज्ञान पुस्तकालय, प्रकाशन प्रभाग, मल्टीमीडिया प्रभाग, डेटा सेंटर और पॉलीग्राफी प्रभाग का दौरा किया। इस अवसर पर डेसीडॉक गतिविधियों पर प्रकाश डालने वाली एक फिल्म के साथ–साथ पिछले 9 वर्षों के दौरान डीआरडीओ की उपलब्धियों पर एक फिल्म का प्रदर्शन किया गया। डेसीडॉक के निदेशक डॉ के नागेश्वर राव ने भी छात्रों को संबोधित किया। यात्रा का समन्वयन श्री तपेश सिन्हा, वैज्ञानिक 'ई' द्वारा किया गया।

डीएफआरएल, मैसूरु

पिछले 9 वर्षों के दौरान रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूरु की अनुसंधान एवं विकास उपलब्धियों को दर्शाने वाली एक दिवसीय प्रदर्शनी 08 जुलाई 2023 को डीएफआरएल में आयोजित की गई थी। श्री विपिन कुमार कौशिक, निदेशक, सार्वजनिक इंटरफेस निदेशालय, डीआरडीओ मुख्यालय ने डॉ अनिल दत्त सेमवाल, निदेशक, डीएफआरएल, श्री विपुल गुप्ता, निदेशक (प्रशासन) कार्यालय महानिदेशक (एलएस), नई दिल्ली और डॉ आर कुमार, सह निदेशक, डीएफआरएल की उपस्थिति में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। 2014–2023 के बीच डीएफआरएल द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियां और उत्पाद जैसे क्षेत्र, हथियार, मंच और थिएटर–विशिष्ट एमआरई, मार्क–II सेल्फ–हीटिंग सिस्टम, समुद्री–डाई मार्कर, कॉम्बो भोजन, ऊर्जा–सघन खाद्य छड, जिफी खाद्य उत्पाद, प्रदर्शनी के दौरान दुर्गम इलाकों में तैनात सशस्त्र बलों की आवश्यकता को पूरा करने और विभिन्न हथियार प्लेटफार्मों और महत्वपूर्ण अभियानों के लिए कार्यात्मक पेय और पेय पदार्थ, परख मोबाइल रोकथाम प्रयोगशाला आदि प्रदर्शित किए गए। अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष (आईवाईएम)–2023 के उत्सव के अवसर पर प्रदर्शनी में डीएफआरएल द्वारा विकसित बाजरा प्रौद्योगिकियों और उत्पादों और एक स्वचालित बाजरा रोटी बनाने वाली मशीन को भी प्रदर्शित किया गया।

डिपास, दिल्ली

आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तत्वावधान में रक्षा शरीर क्रिया एवं सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली ने 29 जुलाई 2023 को 'डिपास रवि (रक्षा अनुसंधान एवं विकास) पारितंत्र 2023' नामक एक कार्यशाला का आयोजन किया। सुश्री सोनल वी मिश्रा, आईजी (प्रोविजनिंग), सीआरपीएफ इस अवसर पर मुख्य अतिथि थी।

डिपास के निदेशक डॉ राजीव वार्ष्णेय ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए डिपास में चल रही पहलों के बारे में सभी को अवगत कराया और उन्होंने बताया कि कैसे सीएपीएफ और युवा उभरते वैज्ञानिक इस पहल को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यशाला के लिए दिल्ली स्थित विभिन्न स्कूलों के लगभग 150 छात्रों (कक्षा X & XII) को भी आमंत्रित किया गया था। छात्रों को संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा करने का अवसर मिला, जिससे उन्हें महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों के विशिष्ट क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान की दुनिया का पता लगाने के लिए प्रेरणा मिली। कार्यशाला में डीआरडीओ कॉर्पोरेट मुख्यालय, महानिदेशक (एलएस) कार्यालय के प्रतिनिधियों, स्कूलों के प्रमुखों और शिक्षकों, वैज्ञानिकों और डिपास के तकनीकी कर्मचारियों ने भी भाग लिया। छात्रों के लिए विज्ञान, डीआरडीओ, आजादी और समसामयिक घटनाओं पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसके लिए उन्हें भागीदारी का प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया।

डीआईपीआर, दिल्ली

आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत 22 जुलाई 2023 को रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसन्धान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली द्वारा एक विशेष कार्यक्रम और एक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में 14 से 18 वर्ष की आयु के छोटे बच्चों ने उत्साहपूर्वक कई रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया और प्रयोगशाला में विभिन्न विशिष्ट केंद्रों का दौरा करके रोमांचित हुए। छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए, डीआईपीआर की निदेशक डॉ अरुणिमा गुप्ता ने प्रयोगशाला द्वारा संचालित अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का एक सिंहावलोकन दिया और इस बात पर जोर दिया कि भारतीय सैनिकों को प्रतिकूल भौगोलिक भूभाग और प्रतिकूल वातावरण में रेगिस्तान से लेकर ऊंचाई वाले क्षेत्रों तक की चरम जलवायु परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से निभाने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

ऑडियो–विजुअल मीडिया, सूचना–ग्राफिक्स एवं संवादात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से, छात्रों ने सशस्त्र बलों की जिम्मेदारियों की व्यापक रूपरेखा और देश के महत्वपूर्ण हितों और सुरक्षा की रक्षा में अद्वितीय चुनौतियों के विस्तृत स्पेक्ट्रम को देखा। सशस्त्र बलों के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और अधिकारियों ने छात्रों के साथ सशस्त्र बलों और डीआरडीओ में शामिल होने के लिए उपलब्ध विभिन्न कैरियर अवसरों पर विचार–विमर्श किया।

डीएमआरएल, हैदराबाद में आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के दौरान निदेशक डीएमआरएल और डीएमआरएल की टीम के साथ स्कूली छात्र एवं शिक्षक

इसके बाद, कम्प्यूटरीकृत पायलट चयन प्रणाली (सीपीएसएस) के संक्षिप्त/अनुकूलित डेमो के लिए प्रायोगिक प्रयोगशाला का दौरा आयोजित किया गया, जो विज्ञान प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण था। उन्हें सशस्त्र बलों में सैन्य पायलट के रूप में संभावित उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया के बारे में संक्षेप में बताया गया।

डीएमआरएल, हैदराबाद

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने एकेएएम के तहत डीएमआरएल द्वारा विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करते हुए एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। केंद्रीय विद्यालय, कंचनबाग; रक्षा प्रयोगशाला स्कूल, कंचनबाग और रक्षा प्रयोगशाला स्कूल, आरसीआई, विज्ञानकांचा के स्कूल/कॉलेज के छात्रों के लिए 22 जुलाई 2023 को एक दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। लगभग 200 छात्रों और कुछ परिवार के सदस्यों ने प्रदर्शनी का दौरा किया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन डीएमआरएल के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं सह निदेशक डॉ जी अप्पा राव ने किया। डॉ आर शरत चंद्र, वैज्ञानिक 'ई' ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। डॉ अप्पा राव ने बहुत ही प्रेरक और प्रेरणादायक भाषण के साथ छात्रों को संबोधित किया। अपने युवा और जिज्ञासु दिमाग वाले स्कूली छात्रों ने डीएमआरएल के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की। उन्होंने डीएमआरएल उत्पादों और प्रौद्योगिकियों में गहरी रुचि ली और डीएमआरएल बंधुओं द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की।

इस आयोजन ने छात्रों और जनता को रक्षा और एयरोस्पेस अनुप्रयोगों के लिए सामग्री के क्षेत्र में नवीनतम विकास से सीखने और परिचित होने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान किया।

डीआईपीआर, दिल्ली में छात्रों के दौरे के दौरान निदेशक डीआईपीआर और डीआईपीआर की टीम के साथ स्कूली छात्र एवं शिक्षक

टीबीआरएल, चंडीगढ़

चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), चंडीगढ़ ने 22 जुलाई 2023 को टीबीआरएल रेंज, रामगढ़, जिला पंचकुला में छात्रों और संकाय के

टीबीआरएल, चंडीगढ में एकेएएम समारोह

लिए एक दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया। टीबीआरएल के अधिकारियों और कर्मचारियों की टीमों ने स्वदेशी क्षमताओं की वृद्धि और शुरुआत को प्रदर्शित करने के लिए हाल के दिनों में विकसित 50 से अधिक प्रौद्योगिकियों, उत्पादों और प्रक्रियाओं को प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी का आयोजन दो चरणों में किया गया था, स्कूलों और इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्रों के लिए और उच्च शिक्षा अध्ययन के लिए अलग से। इस कार्यक्रम में पंचकुला, चंडीगढ़ और बरवाला के विभिन्न स्कूलों के 30 से अधिक शिक्षकों और 500 छात्रों ने भाग लिया।

स्कूली छात्रों के अलावा, आईआईटी रूड़की के 30 से अधिक संकाय और 400 इंजीनियरिंग और उच्च शिक्षा के छात्र, आईआईटी रोपड़, पीईसी चंडीगढ़, थापर यूनिवर्सिटी पटियालाय,पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, यूआईईटी, चंडीगढ़य, प्लाक्षा विश्वविद्यालय, मोहाली, एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली और पीजीजीसी को–एड सेक्टर 11, पीजीजीसी बालिका सेक्टर 11, पीजीजीसी सेक्टर 42 और सेक्टर 46, चंडीगढ़ से भी भाग लिया। इस अवसर पर टीबीआरएल के निदेशक प्रोफेसर प्रतीक किशोर ने छात्रों और शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने प्रतिभागियों को शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए डीआरडीओ द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्रों और संकाय सदस्यों से रक्षा अनुसंधान में चुनौतीपूर्ण समस्याओं को उठाने और राष्ट्र निर्माण के नेक काम में योगदान देने के लिए डीआरडीओ के साथ साझेदारी में काम करने की अपील की।

डॉ प्रिंस शर्मा ने छात्रों को प्राक्षेपिकी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने टीबीआरएल में की जा रही विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों को भी प्रस्तुत किया। श्री सुभाष चंदर ने रेल ट्रैक रॉकेट स्लेज (आरटीआरएस) सुविधा और राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न कार्यक्रमों में इसके अनुप्रयोगों के बारे में एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

वीआरडीई, अहमदनगर

वाहन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (वीआरडीई), अहमदनगर ने 15 जुलाई 2023 को स्कूल/कॉलेज के छात्रों के साथ–साथ आम जनता के लिए नेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेस्टिंग में एक 'ओपन हाउस प्रदर्शनी' का आयोजन किया। आगंतुकों को एनसीएटी की परीक्षण ट्रैक सुविधाओं के आसपास ले जाया गया। लोगों को एंटी–लॉक ब्रेकिंग सिस्टम की उपयोगिता के बारे में शिक्षित करने के लिए एबीएस परीक्षण ट्रैक पर एक प्रदर्शन की व्यवस्था की गई थी। यात्रा के दौरान वीआरडीई द्वारा विकसित परियोजना वाहनों के प्रदर्शन की भी व्यवस्था की गई थी। सीबीआरएन मिनी यूजीवी, रुस्तम–द्वितीय यूएवी इंजन, बीएमपी–आधारित लाइट टैंक, बख्तरबंद उभयचर डोजर, 70 टी टैंक ट्रांसपोर्टर, पहिएदार सीबीआरएन, पहिएदार बख्तरबंद प्लेटफॉर्म (डब्ल्यूएचएपी), स्वायत्त मानव रहित ग्राउंड वाहन और स्वचालित ड्राइविंग के रोबोटिक किट जैसे उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। व्हेप और ऑटोनॉमस युजीवी का लाइव डेमो भी दिया गया। कार्यक्रम के दौरान वीआरडीई के उत्पादों और परीक्षण सुविधाओं को प्रदर्शित करने वाली एक फिल्म भी दिखाई गई।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

डेसीडॉक, दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने 14 अगस्त 2023 को 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। डॉ मोहम्मद यूसुफ अंसारी, वैज्ञानिक 'एफ' और सह निदेशक ने हवलदार एसके पटनायक, 1121 डीएससी प्लाटून के साथ डेसीडॉक भवन की छत पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

इस अवसर पर डेसीडॉक के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

डीआईपीआर, दिल्ली

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसन्धान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने 15 अगस्त 2023 को 77वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्तिपूर्ण उत्साह के साथ मनाया।

हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के महान बलिदानों को याद करते हुए, डीआईपीआर की निदेशक डॉ अरुणिमा गुप्ता ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों और सशस्त्र बलों के अधिकारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उसके बाद राष्ट्रगान गाया। इस महत्वपूर्ण अवसर को चिह्नित करते हुए, नागरिकों में देशभक्ति की भावना जगाने, राष्ट्र की उपलब्धियों का जश्न मनाने और हमारे देश की रक्षा करने वाले बहादुर दिलों का सम्मान करने के लिए, आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 'हर घर तिरंगा' और 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान डीआईपीआर परिवार के उत्साही सदस्यों द्वारा पूरे दिल से मनाया गया।

निदेशक, डीआईपीआर ने सभी को बधाई दी, उनके अपार योगदान के लिए धन्यवाद दिया और सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से देश की सेवा के लिए खुद को फिर से समर्पित करने का आग्रह किया।

डीएमएसआरडीई, कानपुर

रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई), कानपुर ने 15 अगस्त 2023 को बड़े उत्साह के बीच 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने और उसके बाद राष्ट्रगान से हुई।

आजादी का अमृत महोत्सव और

'हर घर तिरंगा' अभियान के जश्न को चिह्नित करने के लिए, डीएससी कर्मियों सहित डीएमएसआरडीई कर्मचारियों ने इस अवसर पर एक तिरंगा साइकिल रैली निकाली।

रैली डीएमएसआरडीई मुख्य द्वार से सती चौरा स्मारक तक और वापस आयोजित की गई। रैली का उद्घाटन डीएमएसआरडीई के निदेशक ने किया, जिन्होंने स्वयं सामने से रैली का नेतृत्व किया।

50 साइकिल सवारों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और रास्ते में स्थानीय लोगों तक पहुंचे और उन्हें राष्ट्रीय ध्वज के महत्व के बारे में बताया और 'हर घर तिरंगा' अभियान के हिस्से के रूप में प्रत्येक घर पर झंडा फहराया।

रैली का आयोजन देश के युवाओं को हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की बहादुर कहानियों और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के गुमनाम नायकों द्वारा किए गए बलिदानों से जोड़ने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए किया गया था। कार्यक्रम का संचालन श्री अमित सरैया, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा

किया गया।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम में 77वां स्वतंत्रता दिवस रंगारंग तरीके से मनाया गया। अपने प्रेरक भाषण में, एनएसटीएल के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ अब्राहम वरुघीस ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान की प्रेरणा से राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अधिकतम प्रयास करने की अपील की। उन्होंने कहा कि एनएसटीएल अत्याधुनिक पानी के भीतर हथियारों के विकास के साथ आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस कार्यक्रम में अधिकारियों, वर्क्स कमेटी के सदस्यों, एनएसटीएल सिविल कर्मचारी संघ और एनएसटीएल के कर्मचारियों ने भाग लिया।

उज्जवल राजस्थान में डीआरडीओ की भागीदारी

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 27–29 जुलाई 2023 के दौरान उदयपुर, राजस्थान में तीन दिवसीय मेगा प्रदर्शनी 'उज्जवल राजस्थान–2023' में भाग लिया। मेगा प्रदर्शनी का विषय 'लक्ष्य प्राप्त करना, नई ऊंचाइयों तक पहुंचना' था। समग्र औद्योगिक विकास के लिए सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाकर राज्य में उद्योग–अनुकूल माहौल स्थापित करने के सरकार के प्रयासों में मदद करने के लिए प्रदर्शनी की परिकल्पना की गई थी। डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाएँ, अर्थात् नाभिकीय औषधि एवं सम्बद्ध विज्ञानं संस्थान (इनमास), रक्षा शरीर क्रिया एवं सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), ठोसवास्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल), रक्षा अनुसंधान जोधपुर (डीएलजे), और अग्नि पर्यावरण तथा विस्फोटक सुरक्षा केंद्र (सीएफईईएस) ने प्रदर्शनी में भाग लिया और अपने उत्पादों और प्रौद्योगिकियों का

प्रदर्शन किया। रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक) ने भी प्रदर्शनी में भाग लिया और इस आयोजन के लिए नोडल प्रयोगशाला थी।

डीएमएसआरडीई में स्थापना दिवस समारोह

रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई), कानपुर ने 29 जुलाई 2023 को अपना 47वां स्थापना दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएस एंड एम) और श्री जीवी राव, पूर्व निदेशक सीपीडीसी, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि, सम्मानित अतिथि और आमंत्रित अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण के साथ हुई। डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई ने अपने संबोधन में विभिन्न उपलब्धियों, हासिल किए गए मील के पत्थर, और चल रही कई परियोजना गतिविधियों की प्रगति पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि डॉ राव ने अपने संबोधन

में डीएमएसआरडीई में किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने भारत सरकार की पहल अमृतकाल–2047 और विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए डीआईएए–सीओई के माध्यम से शिक्षा जगत के साथ मिलकर काम करने पर भी जोर दिया। मुख्य अतिथि एवं सम्मानित अतिथि द्वारा डीएमएसआरडीई गृह पत्रिका 'नवचिंतन' के 25वें संस्करण का उद्घाटन एवं खेल पुरस्कारों का वितरण किया गया। श्री अमित सरैया, वैज्ञानिक 'एफ' ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि- विज्ञान भूमि

27 जुलाई 2023 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइल मैन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की 8वीं पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में, एस्टेट मैनेजमेंट यूनिट (आरएंडडी), हैदराबाद ने आरसीआई आवासीय क्षेत्र में डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि दी। यह कार्यक्रम ट्रांजिट सुविधा मैदान में आयोजित किया गया जहां डॉ कलाम लंबे समय तक रुके थे। डॉ कलाम के सम्मान में इस स्थान का नाम 'विज्ञान भूमि' रखा गया। श्री यू राजा बाबू, महानिदेशक (एमएसएस), श्री अनिंद्य बिस्वास, निदेशक, आरसीआई, श्री जीडीजी प्रसाद राजू, सीसीई (आरएंडडी) एस्टेट (दक्षिण), डॉ शेख गौस मोहिद्दीन, अतिरिक्त सीसीई और एस्टेट मैनेजर अपनी टीमों के साथ इस अवसर पर उपस्थित थे।।

अपने संबोधन के दौरान श्री राजा बाबू ने सभी कर्मचारियों से डॉ कलाम के नक्शेकदम पर चलने और उनकी प्रेरणा से आगे बढ़ने की अपील की. श्री बिस्वास ने प्रत्येक कर्मचारी से नैतिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम करने की कामना की। अपने संबोधन में डॉ मोहिद्दीन ने बताया कि डॉ कलाम मर्यादित जीवन, मेहनती और राष्ट्र के प्रति समर्पित व्यक्ति की मिसाल हैं।

ईएमयू, हैदराबाद ने भी उसी दिन एक नर्सरी का उद्घाटन किया। नर्सरी को 'आत्मनिर्भर नर्सरी' कहा गया है जो माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान के नारे से प्रेरित है। नर्सरी पूरी तरह से आत्मनिर्भर है और घरेलू विशेषज्ञता के साथ अभिकल्पित की गई है। सूक्ष्म साग–सब्जियां, सब्जियां, फल और औषधीय पौधे, मशरूम की खेती, वर्मीकम्पोस्ट का उत्पादन, डी–कंपोजर घोल तैयार करना, चेक डैम का रखरखाव आदि इस नर्सरी का हिस्सा हैं। श्री राजा बाबू ने सराहना की कि यह नर्सरी निश्चित रूप से आरसीआई टाउनशिप के कर्मचारियों और निवासियों के लिए नया उत्साह लेकर आएगी। श्री प्रसाद राजू की इच्छा है कि ईएमयू (आरएंडडी), हैदराबाद को निकट भविष्य में बड़ी संख्या में ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। अपने संबोधन में डॉ मोहिद्दीन ने बताया कि नर्सरी का उद्घाटन बहुत कम समय में किया गया है और यह नर्सरी अपने कामकाज में आत्मनिर्भर होगी।

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने 27 जुलाई 2023 को डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की 8वीं पुण्यतिथि मनाई। एनपीओएल अग्रभाग में डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। डॉ अजित कुमार के, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनपीओएल ने पुष्प अर्पित किये। इसके बाद एनपीओएल के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुष्प अर्पित किये।

एनपीओएल ने स्वच्छता पखवाड़ा-2022 का पुरस्कार जीता

नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने स्वच्छता 'हर किसी का व्यवसाय' के लिए माननीय प्रधान मंत्री द्वारा परिकल्पित स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम में डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में दूसरा स्थान हासिल किया। डीआरडीओ ने 1–15 दिसंबर 2022 तक अभियान का आयोजन किया। 14 जुलाई 2023 को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में डॉ के अजित कुमार, वैज्ञानिक 'जी' और निदेशक, एनपीओएल ने जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) की ओर से डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ से शील्ड ट्रॉफी प्राप्त की।

एनपीओएल में 'स्वच्छता पखवाड़ा–2022' अभियान के नोडल अधिकारी के रूप में, श्रीमती लेथा एमएम, वैज्ञानिक 'एफ' ने दो सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता शपथ लेना, स्वच्छता अभियान, पुराने रिकॉर्डों की समीक्षा और छंटनी, परिसर में कचरे का निपटान, परिसर में वृक्षारोपण, विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन और सभी हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने जैसी विविध गतिविधियों का समन्वय किया। एनपीओएल के वैज्ञानिकों ने भवन्स वरुणा विद्यालय के छात्रों के लिए दैनिक जीवन में स्वच्छता से संबंधित विषयों पर एक जागरूकता प्रस्तुति दी, जिसमें 200 छात्रों ने भाग लिया। एनपीओएल के लगभग 150 कर्मचारियों की भागीदारी के साथ एनपीओएल के मुख्य द्वार से एनजीओ क्वार्टर सर्कल तक स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई।

डीआरडीओ की सभी प्रयोगशालाओं की गतिविधियों की समीक्षा के बाद महानिदेशक (एचआर) की अध्यक्षता में गठित एक समिति द्वारा एनपीओएल को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डील में हरेला उत्सव

मानसून के मौसम की शुरुआत को उत्तराखंड राज्य में हरेला के रूप में बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है। यह किसानों के लिए बुआई चक्र की शुरुआत का प्रतीक है। चूंकि यह हरियाली से जुड़ा है, इसलिए राज्य भर में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जाता है। 17 जुलाई 2023 को, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून के निदेशक, श्री एलसी मंगल ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों और कार्य समिति के सदस्यों के साथ डील वेलनेस सेंटर के आसपास पौधे लगाकर वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया।

श्री मंगल ने पारंपरिक उत्सवों के महत्व और पारिस्थितिकी तंत्र के साथ हमारे सह–अस्तित्व की दिशा में उनके महत्व पर जोर दिया।

एआरडीई पुस्तकालय सप्ताह का आयोजन

आयुध प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (आईसीएटी), एआरडीई की पुस्तकालय, पुणे ने 7–11 अगस्त 2023 तक पुस्तकालय सप्ताह मनाया। श्री ए राजू, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एआरडीई ने 8 अगस्त 2023 को कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन दिवस के दौरान, एआरडीई कर्मचारियों के लिए पुस्तक प्रदर्शनी और ओपन बुक क्विज खोली गई। प्रदर्शनी के दौरान लगभग 5000 पुस्तकें प्रदर्शित की गईं। 11 अगस्त 2023 को समापन समारोह के एक भाग के रूप में विशेष अतिथि व्याख्याताओं का आयोजन किया गया। सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय पुणे के प्रोफेसर (डॉ) राजेंद्र कुंभार ने पढ़ने की आदत पर व्याख्यान दिया और श्री सुधांशु भूषण, वैज्ञानिक 'एफ', डेसीडॉक, दिल्ली ने विद्वतापूर्ण संचार पर व्याख्यान दिया। श्री रमेश कुमार, उत्कृष्ट

वैज्ञानिक एवं सह निदेशक और डॉ बीबी पाधी, वैज्ञानिक 'जी' ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। श्री एके पांडे ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी उपयोगकर्ताओं को धन्यवाद दिया।

राष्ट्रीय स्तर की मोटा अनाज रेसिपी प्रतियोगिता

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूरु ने मई–जुलाई 2023 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के जश्न के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर की मोटा अनाज रेसिपी प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता का विषय मोती बाजरा, रागी और ज्वार जैसे प्रमुख मोटा अनाजों का उपयोग करके आधुनिक मिश्रण के साथ पारंपरिक मोटा अनाज व्यंजन था। उत्पादों की श्रेणियों में बेकरी आइटम, स्नैक्स (स्वादिष्ट आइटम, बार), पेय पदार्थ, पकाने के लिए तैयार, सुविधाजनक मिश्रण शामिल हैं।

कुल 152 पंजीकरण प्राप्त हुए और भारत के 15 राज्यों से प्रतिभागियों द्वारा 69 व्यंजन प्रस्तुत किए गए। जांच के आधार पर प्रतियोगिता के लिए 5 टीमों का चयन किया गया और 3 टीमों ने 17 जुलाई 2023 को फाइनल राउंड खेला। डीएफआरएल के निदेशक डॉ अनिल दत्त सेमवाल ने डॉ आर कुमार, सह निदेशक और डॉ डीडी वाडिकर की उपस्थिति में प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

पुरस्कार समारोह 18 जुलाई 2023 को आयोजित किया गया था। सुश्री परिदन्या मोकल, डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र ने प्रथम पुरस्कार जीता, श्री एमएस आदर्श अयंगर और श्री सुमंत एच, तुमकुर विश्वविद्यालय, तुमकुर, कर्नाटक ने दूसरा पुरस्कार जीता और सुश्री कोमल धनके, सुश्री जाह्नवी कैलाजे और श्री उज्जवल सैनी, आईसीटी, जालना, महाराष्ट्र को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

लद्दाखी किसान जवान विज्ञान मेला-2023

रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार), लेह ने स्थानीय किसानों और लद्दाख सेक्टर में तैनात सैनिकों के बीच दिहार द्वारा विकसित नवीनतम कृषि–पशु प्रौद्योगिकियों से संबंधित तकनीकी जानकारी का प्रसार करने के उद्देश्य से 19–20 अगस्त 2023 के दौरान 30वें लद्दाखी किसान जवान विज्ञान मेले का आयोजन किया।

मेले का उद्घाटन ब्रिगेडियर (डॉ) बीडी मिश्रा, लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल द्वारा डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ; मेजर जनरल एसएस बख्शी, एसएम, जीओसी, लेह उप–क्षेत्र; डॉ पवन कोटवाल, माननीय उपराज्यपाल के सलाहकार; प्रथम महिला श्रीमती नीलम मिश्रा; श्रीमती समीर कामत, और दिहार के निदेशक डॉ ओपी चौरसिया की सौम्य उपस्थिति में किया गया।

इस कार्यक्रम में एलएएचडीसी के प्रतिनिधि, सेना और जिला अधिकारी, स्थानीय किसान और छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए। ब्रिगेडियर (डॉ) मिश्रा ने 1960 के दशक से लेकर अब तक किए गए दिहार के प्रयासों की सराहना की और स्थानीय किसानों को गुणवत्तापूर्ण जैविक ताजा खाद्य पदार्थों की खेती करने में समर्थन देने के लिए वैज्ञानिकों की सराहना की, जो सबसे कठिन पर्यावरणीय परिस्थितियों में तैनात सैनिकों को आपूर्ति की जाती है। मेले के दौरान स्थानीय किसानों, उद्यमियों और सेना इकाइयों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

डीआईपीआर में त्रि-सेवाओं की वार्षिक बैठक

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसन्धान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने 17 अगस्त 2023 को वार्षिक त्रि–सेवा बैठक का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता डॉ यूके सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एलएस) ने की और ब्रिगेडियर कौशिक मुखर्जी, एसएम, डीडीजी, रिक्रूटिंग ए, कोमोडोर अमित श्रीवास्तव, सीएमडीई एमपीआर, डीआइजी एस राजा नागेंद्रन, भारतीय तट रक्षक, जीपी कैप्टन आरआर तम्हाने, डीपीओ–3, सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारी, डीआईपीआर के वैज्ञानिक और सेवा अधिकारी ने भाग लिया।

अधिकारियों ने मौजूदा अधिकारी चयन प्रणाली से संबंधित विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की, पिछले परामर्शों के संबंध में शुरू की गई कार्रवाइयों और प्रगति पर विचार–विमर्श किया और नई आवश्यकताओं पर चर्चा की। डीआईपीआर की निदेशक डॉ अरुणिमा गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि नीति निर्माताओं, नीतियों के कार्यान्वयनकर्ता के रूप में सेवा मुख्यालय और डिजाइनर, डेवलपर के रूप में डीआईपीआर और अधिकारी चयन प्रणाली की प्रभावशीलता को बनाए रखने के बीच सहक्रियात्मक प्रयास, हमारे संगठनों की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। डीआईपीआर टीम ने चयन प्रणाली को मजबूत करने के लिए प्रयोगशाला में चल रही गतिविधियों पर एक सिंहावलोकन प्रदान किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि चयन मूल्यांकन तकनीकों में उभरती प्रौद्योगिकियों को शामिल करने की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए पायलट अध्ययन किया जा रहा है।

विद्वत्तापूर्ण लेखन पर पाठ्यक्रम

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने 19–21 जुलाई 2023 के दौरान 'विद्वान/वैज्ञानिक लेखन और प्रकाशन' पर एक सतत शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया। पाठ्यक्रम का उद्देश्य डीआरडीओ बिरादरी के बीच शोध लेखन के महत्व और इसे प्राप्त करने के तरीकों और साधनों के बारे में जागरूकता लाना था। इस पाठ्यक्रम में विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं/प्रतिष्ठानों से 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कवर किए गए प्रमुख विषयों में विद्वतापूर्ण संचार, प्रकाशन मेट्रिक्स, डीआरडीओ ई–जर्नल कंसोर्टियम का उपयोग, डीआरडीओ प्रकाशनों का अवलोकन, साहित्यिक चोरी का पता लगाना और रोकथाम, उच्च गुणवत्ता वाली पांडुलिपियां लिखना, संदर्भ उपकरण आदि शामिल थे। डॉ मोहम्मद यूसुफ अंसारी, वैज्ञानिक 'एफ' ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया और वैज्ञानिक संचार में अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा किया। श्रीमती अलका बंसल, वैज्ञानिक 'एफ' और पाठ्यक्रम निदेशक ने उच्च गुणवत्ता वाले पेपर लिखने पर जोर दिया। श्री योगेश मोदी, वैज्ञानिक 'ई' एवं उप पाठ्यक्रम निदेशक ने पाठ्यक्रम सामग्री का संक्षिप्त परिचय दिया। समापन सत्र के दौरान, डेसीडॉक के निदेशक डॉ के नागेश्वर राव ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए और उनसे पाठ्यक्रम के माध्यम से प्राप्त ज्ञान का बड़े पैमाने पर उपयोग करने का आग्रह किया।

एएसएमएएफटी-17 पर पाठ्यक्रम

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूरु ने 17–20 जुलाई 2023 के दौरान उन्नत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और खाद्य प्रौद्योगिकी (एएसएमएएफटी–17) पर चार दिवसीय पाठ्यक्रम का आयोजन किया। इस पाठ्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक, एएससी सेंटर एंड कॉलेज, बेंगलुरु के साथ सेना के 19 वरिष्ठ एएससी अधिकारियों ने भाग लिया।

संबंधित विषयों पर व्याख्यान के अलावा, पाठ्यक्रम में गोदाम डिजाइनिंग और मैकेना के कीट नियंत्रण प्रबंधन और एकीकृत खेती के 4 सिद्धांत भी शामिल थे। खाद्य प्रसंस्करण, जमे हुए और ठंडा मांस/चिकन, गुणवत्ता नियंत्रण और प्रबंधन में वरिष्ठ सेना अधिकारियों को व्यापक ज्ञान प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक और नवीन खाद्य प्रौद्योगिकियों पर एक व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) डेयरी, मैसूर, सीएफटीआरआई, मैसूर, और आईटीसी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, नंजनगुड का दौरा भी आयोजित किया गया था। डीएफआरएल के निदेशक डॉ अनिल दत्त सेमवाल ने पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। डॉ वी वासुदेवन, वैज्ञानिक 'ई' पाठ्यक्रम निदेशक थे और कार्यक्रम का समापन डॉ आर कुमार, वैज्ञानिक 'जी' और प्रमुख, मानव संसाधन विकास विभाग के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

सैन्य पोषण में प्रगति पर पाठ्यक्रम

10–14 जुलाई 2023 के दौरान रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर में 'सैन्य पोषण में हालिया प्रगति' पर एक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम का उद्घाटन डॉ अनिल दत्त सेमवाल, वैज्ञानिक 'जी' और निदेशक ने डॉ आर कुमार, सह निदेशक, डीएफआरएल और डॉ वीए सजीव कुमार, प्रमुख–एफडीएपीटी विभाग की उपस्थिति में किया। पाठ्यक्रम निदेशक डॉ टी आनंद ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी दी। संकाय में मैसूर विश्वविद्यालय, सीएफटीआरआई, एएससी सेंटर एंड कॉलेज, डिपास, डीएफआरएल और उद्योगों के वक्ता शामिल थे। पाठ्यक्रम में सेना, नौसेना, वायु सेना, सीआरपीएफ और डीआरडीओ प्रयोगशालाओं से कुल

29 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

निदेशक, डीएफआरएल ने अपने उद्घाटन भाषण में विभिन्न प्रकार के राशन के महत्व और सैन्य पोषण के क्षेत्र में हाल के विकास पर जोर दिया। पाठ्यक्रम के दौरान कवर किए गए विषय थे मानव पोषण, सूक्ष्म पोषक तत्वों की जैवउपलब्धता और पहुंच, चरम वातावरण के लिए युद्ध राशन, सशस्त्र बलों की पोषण संबंधी आवश्यकताएं, आदि। पाठ्यक्रम डॉ एन इलैयाराजा, वैज्ञानिक 'ई' एवं पाठ्यक्रम समन्वयक के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त हुआ।

डीजीआरई एमएमसी सासोमा द्वारा सियाचिन बैटल स्कूल में हिमस्खलन जागरूकता प्रशिक्षण

सियाचिन भारतीय हिमालयी क्षेत्र का बर्फ से ढका हिमाच्छादित क्षेत्र है और यह बर्फ, हिमस्खलन से ग्रस्त है। इन हिमस्खलनों के कारण सैनिकों की गतिशीलता और विभिन्न अन्य गतिविधियाँ गंभीर रूप से प्रतिबंधित हो गईं, जिससे सैनिकों की आवाजाही और समग्र भलाई में बाधा उत्पन्न हुई। सैनिकों की तैयारियों को बढ़ाने के लिए डीजीआरई एमएमसी सासोमा के अधिकारियों द्वारा जून और जुलाई 2023 के दौरान सियाचिन बैटल स्कूल (एसबीएस), बेस कैंप में अधिकारियों (18 संख्या), जेसीओ (18 संख्या) और ओआर (283 संख्या) सियाचिन में शामिल होने से पहले एसबीएस प्रशिक्षण से गुजर रही इकाइयों के लिए बर्फ–मौसम संबंधी डेटा संग्रह और हिमस्खलन जागरूकता प्रशिक्षण आयोजित किए गए थे। सैनिकों को बर्फ और मौसम संबंधी डेटा के संग्रह, हिमस्खलन सुरक्षा और बचाव प्रक्रियाओं, बर्फ से घिरे क्षेत्रों में स्वास्थ्य मुद्दों और हिमस्खलन और बर्फ जागरूकता के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण से सैनिकों को सियाचिन के बर्फीले क्षेत्र में अपने कार्यों को कुशलतापूर्वक करने के लिए अपनी तैयारी बढ़ाने में मदद मिलेगी।

समुद्री वाहनों के लिए विद्युत प्रणोदन प्रौद्योगिकियों पर पाठ्यक्रम

17–21 जुलाई 2023 के दौरान नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम द्वारा 'समुद्री वाहनों के लिए इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन टेक्नोलॉजीज' पर एक सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) आयोजित किया गया था। डॉ अब्राहम वरुघीस, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक एनएसटीएल, श्री बीवीएसएस कृष्ण कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, श्री सीएचवी सत्य श्रीनिवास, वैज्ञानिक 'जी', श्री बासम वेंकट राव, वैज्ञानिक 'ई' और पाठ्यक्रम निदेशक ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया और विचार साझा करने के दौरान एनएसटीएल के निदेशक ने विद्युत प्रणोदन प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में वर्तमान रुझानों पर प्रकाश डाला। पाठ्यक्रम संवादात्मक था, जिसमें प्रतिभागियों को विद्युत प्रणोदन प्रौद्योगिकियों, उन्नत ऊर्जा स्रोतों, उन्नत

मोटर डिजाइन, उन्नत ड्राइव, जहाजों और पनडुब्बियों के लिए विद्युत प्रणोदन आदि के बारे में जानने का अवसर मिला।

XXX तम्हांकर स्मृति व्याख्यान

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने देश में दो महत्वपूर्ण संस्थानों अर्थात् रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल) और मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानी) की स्थापना और पोषण में डॉ आरवी तम्हांकर द्वारा किए गए अद्वितीय योगदान को श्रद्धांजलि देने के लिए 28 जुलाई 2023 को भारतीय धातु संस्थान (आईआईएम), हैदराबाद अध्याय के सहयोग से XXX तम्हांकर स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया। डॉ आर बालामुरलीकृष्णन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमआरएल ने दर्शकों का स्वागत किया। डॉ बी वेंकटरमन, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईजीसीएआर ने 'सामग्री मूल्यांकन और लक्षण वर्णन के लिए उन्नत एनडीई

तकनीक' पर व्याख्यान दिया। डॉ वेंकटरमन ने एयरोस्पेस और परमाणु कार्यक्रमों के लिए उपयोगी बड़े आकार के घटकों और उनके अनुप्रयोगों के निरीक्षण के लिए एनडीई तकनीकों में विभिन्न विकासों पर जोर दिया।

डेसीडॉक में सॉफ्ट कौशल पर चर्चा

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने 08 अगस्त 2023 को रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली के पूर्व निदेशक डॉ के रामचंद्रन द्वारा 'स्वयं विकास के लिए सॉफ्ट कौशल' पर एक वार्ता का आयोजन किया। डॉ रामचंद्रन ने वास्तविक जीवन के उदाहरणों के साथ पांच सॉफ्ट कौशल, अर्थात संचार, टीम वर्क, आलोचनात्मक सोच, अनुकूलनशीलता और नेतृत्व पर बात की। बातचीत न केवल प्रेरक और प्रेरणादायक थी, बल्कि बहुत संवादात्मक भी थी। डेसीडॉक के निदेशक डॉ के. नागेश्वर राव ने उन्हें यादगार के रूप में एक स्मृति चिन्ह और एक शॉल देकर सम्मानित किया। डॉ के. रामचन्द्रन 31 जुलाई 2023 को सेवानिवृत्त हो गये।

एलआरडीई में परियोजना प्रबंधन पर कैप्सूल पाठ्यक्रम

17–19 जुलाई 2023 के दौरान प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम), मसूरी के सहयोग से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं राडार विकास स्थापना (एलआरडीई), बेंगलुरु द्वारा 'परियोजना प्रबंधन' पर एक कैप्सूल पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम की योजना एलआरडीई के परियोजना निदेशकों, उप परियोजना निदेशकों के लाभ के लिए बनाई गई थी। श्री गमपाला विश्वम, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एलआरडीई ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया और सभा को संबोधित किया।

आईटीएम के निदेशक श्री एसए कट्टी ने पाठ्यक्रम के दौरान मुख्य भाषण दिया। श्रीमती अनुया वेंकटेश, वैज्ञानिक 'ई', आईटीएम पाठ्यक्रम निदेशक थीं। एलआरडीई वैज्ञानिकों के साथ, सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसन्धान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु के वैज्ञानिकों ने भी पाठ्यक्रम में भाग लिया।

सैन्य अनुप्रयोगों के लिए उन्नत भौतिक परत प्रौद्योगिकियों पर पाठ्यक्रम

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून में 10–12 जुलाई 2023 के दौरान 'सैन्य अनुप्रयोगों के लिए उन्नत भौतिक परत प्रौद्योगिकी' पर तीन दिवसीय सीईपी पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता डील के निदेशक श्री एलसी मंगल ने की। उद्घाटन व्याख्यान आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर के गिरिधर द्वारा 'रेडियो और सैटकॉम के लिए स्टील्थ कम्युनिकेशंस' पर दिया गया था जिसमें उन्होंने उन कारकों पर प्रकाश डाला जो तरंग डिजाइन को प्रभावित करते हैं और भू–उपग्रह के माध्यम से गुप्त बिंदु से मल्टीपॉइंट लिंक पर एक केस अध्ययन के साथ इसकी पुष्टि की।

पाठ्यक्रम को सैन्य संचार के लिए भौतिक परत अभिकल्पन के तकनीकी पहलुओं को व्यापक रूप से उजागर करने और कवर करने के लिए अभिकल्पित किया गया था। कुल मिलाकर, 26 प्रतिभागियों ने विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं से पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया।

एकेडेमिया (आईआईटी मद्रास, आईआईटी रूड़की, आईआईटी कानपुर), उद्योग (मैसर्स मैथवर्क्स, मैसर्स नेशनल इंस्ट्रूमेंट्स, मैसर्स सिसेलेंट, और मैसर्स कीसाइट), वायरलेस योजना आयोग, डीआरडीओ प्रयोगशालाएं (एलआरडीई, डीवाईएसएल–क्यूटी, डील) के विशेषज्ञों ने बहुत ही जानकारीपूर्ण और ज्ञानवर्धक बातचीत की।

वैज्ञानिकों का 201 कोबरा बटालियन, सीआरपीएफ, जगदलपुर, छत्तीसगढ़ का दौरा

कम तीव्रता संघर्ष निदेशालय (डीएलआईसी) ने 04 अगस्त 2023 को छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में स्थित सीआरपीएफ के फील्ड लोकेशन अर्थात 201 कोबरा बटालियन में डीआरडीओ वैज्ञानिकों की एक यात्रा का आयोजन किया। टीबीआरएल, एलआरडीई, आरएंडडीई(ई), एचईएमआरएल, एआरडीई, डीएमएसआरडीई, डील, आईआरडीई और डीवाईएसएल–एटी के वैज्ञानिकों ने बटालियन का दौरा किया और छत्तीसगढ़ क्षेत्र में तैनात सीआरपीएफ द्वारा किए जा रहे कार्यों के लिए उपयोगिता वाले डीआरडीओ उपकरण प्रस्तुत किए। प्रस्तुति–सह–चर्चा के दौरान सीआरपीएफ

के 29 अधिकारियों ने शारीरिक रूप से और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। श्री हरजिंदर सिंह, डीआइजी, सीआरपीएफ ने डीआरडीओ के सभी वैज्ञानिकों का स्वागत किया और सुझाव दिया कि सीआरपीएफ बटालियन मौजूदा डीआरडीओ प्रौद्योगिकी पर एक सार्थक चर्चा की उम्मीद कर रहा है।

डीएलआईसी की निदेशक श्री संगीता राव आचरी अडांकी ने यात्रा के उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया, जैसे फील्ड परिस्थितियों में तैनात सुरक्षा कर्मियों के साथ डीआरडीओ द्वारा विकसित उत्पादों के बारे में बातचीत करना और जागरूकता फैलाना। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यात्रा का उद्देश्य मौजूदा डीआरडीओ प्रौद्योगिकियों पर बहुमूल्य प्रतिक्रिया लेना और भविष्य की किसी भी आवश्यकता के लिए उपयोगकर्ता इनपुट लेना है। बैठक में शामिल सीआरपीएफ जवानों के सामने सभी वैज्ञानिकों ने अपनी प्रस्तुति दी। डीआरडीओ के उत्पाद नामतः मल्टी–मोड हैंड ग्रेनेड, कम घातक प्लास्टिक बुलेट, उन्नत विध्वंस उपकरण, काउंटर ड्रोन सिस्टम, ग्राउंड पेनेट्रेशन रडार, मल्टी–लेयर इंटेलिजेंट ट्रैकिंग रिस्पांस एनालिसिस (सुमित्रा) के माध्यम से निगरानी, विस्फोटक डिटेक्शन किट (ईडीके), 7.62X51 मिमी एलएमजी, 5.56X45 मिमी सीक्यूबी कार्बाइन और 9X19 मिमी मशीन पिस्टल पर चर्चा की गई।

आईआरडीई में इन्फ्रारेड डिटेक्टरों और प्रौद्योगिकियों पर सेमिनार

उपकरण अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (आईआरडीई), देहरादून ने 18 जुलाई 2023 को 'इन्फ्रारेड डिटेक्टर और प्रौद्योगिकियाँ' पर एक सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार का उद्देश्य इन्फ्रारेड डिटेक्टरों के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति और नवाचारों का पता लगाना, विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और उत्साही लोगों को ज्ञान और विचारों का आदान–प्रदान करने के लिए एक साथ लाना था। आईआरडीई के निदेशक डॉ अजय कुमार ने सेमिनार का उद्घाटन किया।

अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ अजय कुमार ने आधुनिक रक्षा प्रणालियों में इन्फ्रारेड डिटेक्टरों के महत्व और इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में निरंतर अनुसंधान और विकास की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। सेमिनार में विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं, डीजीक्यूए, इसरो, ओएलएफ, ओएफडी, बीईएल और बीडीएल के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सत्र के दौरान प्रतिभागियों की गहन चर्चा, विचारोत्तेजक प्रश्न और साझा किए गए विविध दृष्टिकोण ने सेमिनार के आयोजन के उद्देश्य को पूरा किया। एससीडी, इजराइल सम्मानित वक्ताओं डॉ टुवीमार्कोविच, श्री राम बिरोन, श्री शाई फिशबैन और श्री इगल बार इलान द्वारा ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियों की एक श्रृंखला की

मेजबानी कर रहा था। इन विशेषज्ञों ने एससीडी में चल रहे इन्फ्रारेड डिटेक्टर कार्यक्रमों की व्यापक खोज में विशेषज्ञता हासिल की और अब तक हुई उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डाला।

इसके अलावा, उन्होंने एसडब्ल्युआईआर, एमडब्ल्युआईआर और एलडब्ल्युआईआर डिटेक्टरों में प्रगति को शामिल करते हुए एक व्यापक रोडमैप के साथ एससीडी के आशाजनक भविष्य की जानकारी प्रदान की।

डॉ सुधीर खरे, वैज्ञानिक 'जी', आईआरडीई ने आईआरडीई में इलेक्ट्रो–ऑप्टिकल सिस्टम के विकास के लिए एक व्यापक भविष्य के रोड मैप की रूपरेखा तैयार की और एससीडी के अटूट समर्थन की सराहना की।

समापन पर, आयोजकों ने सेमिनार को एक सार्थक और उपयोगी आयोजन बनाने में उनके अमूल्य योगदान के लिए सभी वक्ताओं और प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

एसीईएम में 2/6 एमवी उच्च ऊर्जा लाइनैक प्रणाली की स्थापना और कमीशनिंग

ऊर्जावान सामग्री के लिए अग्रिम केन्द (एसीईएम), नासिक एनडीटी सुविधा में एक नई स्विचेबल दोहरी ऊर्जा 2/6 एमवी लाइनैक सुविधा स्थापित और चालू की गई थी। मशीन को 'मेक इन इंडिया' के तत्वावधान में अभिकल्पित किया गया है और 24 महीने के रिकॉर्ड समय में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग और रिसर्च सोसायटी, समीर द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है। आत्मनिर्भर भारत की भावना के अनुरूप यह प्रणाली देश के विभिन्न रणनीतिक मिसाइल कार्यक्रमों के लिए दोषरहित ठोस रॉकेट मोटर्स प्रदान करने में एसीईएम के मिशन को पूरा करने में सक्षम होगी।

यह सुविधा अत्याधुनिक एसीईएम एनडीटी सुविधा की एक्स–रे मशीनों के मौजूदा बेड़े में एक नया अतिरिक्त है। एक ही मशीन में दो ऊर्जाओं की उपलब्धता मशीन को वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला के निरीक्षण के मामले में अधिक बहुमुखी बना देगी।

श्री टीवी जगदीश्वर राव, वैज्ञानिक 'जी' और महाप्रबंधक, एसीईएम ने सभी गतिविधियों के सुचारू और समय पर पूरा होने के लिए समीर टीम और एसीईएम एनडीटी टीम को बधाई दी।

एनएसटीएल में जीईएम सेल का उद्घाटन

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम के निदेशक डॉ अब्राहम वारुघीस ने 19 जुलाई 2023 को डॉ जीवी कृष्ण कुमार, वैज्ञानिक 'जी' और जीडी (एमएम) , श्री डी श्रीधर पटनायक, वैज्ञानिक 'एफ' विभाग प्रमुख (एमएम), की उपस्थिति में सामग्री प्रबंधन प्रभाग (एमएमडी), एनएसटीएल में एक समर्पित जीईएम सेल का उद्घाटन किया जो जीईएम के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद को बढ़ाने के लिए नवीनतम सरकारी निर्देशों के अनुरूप है।

डॉ एचएन दास, वैज्ञानिक 'जी', श्री आर श्रीहरि, वैज्ञानिक 'जी', सुश्री डीआर राजेश्वरी देवी, वैज्ञानिक 'जी', और अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

नव स्थापित जीईएम सेल, जीएफआर–2017 के नियम 149 के प्रावधानों के अनुसार जीईएम पोर्टल के माध्यम से अधिकतम संभव सीमा तक वस्तुओं और सेवाओं की खरीद की सुविधा के लिए एकल खिड़की के रूप में गहन और निरंतर प्रयास करने के एनएसटीएल के प्रयासों का एक हिस्सा है।

रक्तदान शिविर

एसीईएम, नासिक

ऊर्जावान सामग्री के लिए अग्रिम केन्द (एसीईएम), नासिक ने सिविल अस्पताल, नासिक के सहयोग से आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में 'रक्तदान अमृत महोत्सव' मनाने के लिए 11 अगस्त 2023 को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर का उद्घाटन महाप्रबंधक श्री टीवी जगदीश्वर राव ने किया। उन्होंने सभी दाताओं को प्रेरित किया और प्रचार किया कि सभी पात्र

दाताओं को हर साल एक या दो बार रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने सिविल अस्पताल, नासिक के एसीईएम और ब्लड बैंक टीम के शामिल अधिकारियों और मेडिकल टीम के काम की सराहना की।

ब्लड बैंक टीम ने कर्मचारियों द्वारा रक्तदान करने के लिए दिखाए गए उत्साह की सराहना की और बताया कि यह रक्त न केवल प्राप्तकर्ताओं के जीवन को बचाएगा, बल्कि अच्छे स्वास्थ्य, रक्त प्रवाह, ताजा रक्त के निर्माण को बनाए रखकर दाताओं के स्वास्थ्य में भी सुधार करेगा।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

04 अगस्त 2023 को 54वें प्रयोगशाला स्थापना दिवस समारोह 2023 के भाग के रूप में नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। शिविर का आयोजन एलआरडीसी–2023 की सामाजिक सेवा समिति द्वारा एएस राजा ब्लड बैंक, विशाखापत्तनम के सहयोग से किया गया था।

मुख्य अतिथि के रूप में एनएसटीएल के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ

अब्राहम वारुघीस ने शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने एनएसटीएल के कर्मचारियों की स्वैच्छिक भागीदारी पर संतोष व्यक्त किया और दाताओं की सराहना की। डॉ के अरुणा और एएस राजा ब्लड बैंक की 11 सदस्यीय टीमय और एनएसटीएल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी सर्जन लेफ्टिनेंट कमांडर प्रिग्यारित रॉय और एनएसटीएल एमआई कक्ष की टीम ने शिविर का निरीक्षण किया। एनएसटीएल सिविल कर्मचारी संघ, वर्क्स कमेटी, जेसीएम IV के सदस्यय और अन्य एनएसटीएल कर्मियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

एनएसटीएल के निदेशक और उनके परिवार के सदस्यों सहित लगभग 120 एनएसटीएल कर्मियों ने रक्तदान किया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

एएसएल में सीपीआर प्रशिक्षण

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद ने हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ अनिता भल्ला और उस्मानिया मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों की टीम के सहयोग से 03 अगस्त 2023 को प्राथमिक चिकित्सा और कार्डियोपल्मोनरी पुनर्जीवन (सीपीआर) पर एक दिवसीय जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। श्री बी वी पापाराव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एएसएल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और सभा को संबोधित किया। उन्होंने सीपीआर के महत्व पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों से इसे ठीक से सीखने और आपात स्थिति में लोगों की मदद करने का आग्रह किया। एएसएल, सीएएस और डीवाईएसएल–एटी के लगभग 160 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।

उच्च योग्यता अर्जन

श्री शीतल कुमार गर्ग, वैज्ञानिक 'ई', सॉलिड स्टेट फिजिक्स लेबोरेटरी (एसएसपीएल), दिल्ली को जुलाई 2023 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली द्वारा उनकी थीसिस 'मिनिएचर स्टर्लिंग क्रायोकूलर के लिए रीजेनरेटर के प्रायोगिक और संख्यात्मक अध्ययन' के लिए पीएचडी से सम्मानित किया गया।

डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के आगंतुक

कैसडिक, बेंगलुरु

एयर मार्शल वी राजशेखर, महानिदेशक (सिस्टम), आईएएफ, और एयर वाइस मार्शल के राधाकृष्ण, सहायक वायु सेना प्रमुख (सिस्टम), आईएएफ ने 27 जुलाई 2023 को युद्धक विमान प्रणालियाँ एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक), बेंगलुरु का दौरा किया। गणमान्य व्यक्तियों ने कैसडिक द्वारा विकसित और भारतीय वायुसेना के विभिन्न लड़ाकू विमानों पर तैनात एवियोनिक्स और ईडब्ल्यू प्रौद्योगिकियों, पीओडी, सिस्टम और सेंसर के स्थिर प्रदर्शन का दौरा किया।

एयर वाइस मार्शल एसएन संतोष, कमांडेंट, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एसडीआई), आईएएफ और उनकी टीम ने 25 जुलाई 2023 को कैसडिक, बेंगलुरु का दौरा किया। लड़ाकू विमान प्रणालियों के विकास और एकीकरण, वर्तमान अनुसंधान एवं विकास क्षेत्रों और चल रही परियोजनाओं की दिशा में कैसडिक की विभिन्न गतिविधियों पर संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की गई। इसके बाद एसडीआई, आईएएफ के साथ मिलकर कैसडिक द्वारा शुरू की जा रही परियोजनाओं पर परियोजना निदेशकों द्वारा विस्तृत प्रस्तुतियां और चर्चाएं की गईं।

कमोडोर रमेश एस मेनन, सीएमडीई (एएसई), आईएचक्यू, भारतीय नौसेना ने 18 जुलाई 2023 को कैसडिक, बेंगलुरु का दौरा किया। यात्रा बैठक के दौरान, भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय सेना के विभिन्न विमानों के लिए कैसडिक द्वारा शुरू की गई पिछली परियोजनाओं का अवलोकन प्रस्तुत किया गया। इसके बाद वर्तमान और प्रस्तावित परियोजनाओं, डोमेन विशेषज्ञता और प्रौद्योगिकी जोर क्षेत्रों पर प्रस्तुतियां और चर्चाएं हुईं। सीएमडीई (एएसई) ने कैसडिक द्वारा विकसित और वर्तमान में भारतीय वायुसेना के विभिन्न लड़ाकू विमानों पर तैनात प्रौद्योगिकियों, प्रणालियों, सेंसर और पीओडी के स्थिर प्रदर्शन का दौरा किया।

डील, देहरादून

वाइस एडमिरल संदीप नैथानी, एवीएसएम, वीएसएम, मैटरियल प्रमुख ने 28 जुलाई 2023 को रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून का दौरा किया। उनका स्वागत श्री कृष्ण लाल, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं कार्यवाहक निदेशक, डील ने किया। डील के इतिहास, विकसित उत्पादों, तकनीकी प्रगति और आगे के रोडमैप पर प्रकाश डालते हुए एक प्रस्तुति दी गई। वाइस एडमिरल संदीप नैथानी ने एसडीआर–एफए और शीयन परियोजनाओं के लिए व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। उन्होंने ज्वाइंट सर्विसेज वेवफॉर्म पर विस्तार से चर्चा की और यूसीएस, एचईएयूवी और आईएसआर परियोजनाओं में रुचि दिखाई।

महानिदेशक (एलएस) द्वारा 4 एएफएसबी, वाराणसी का दौरा

डॉ यूके सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एलएस) ने डॉ अरुणिमा गुप्ता, निदेशक, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली के साथ 09–10 अगस्त 2023 के दौरान अधिकारी चयन प्रणाली को देखने के लिए एक परिचित दौरे पर 4 वायु सेना चयन बोर्ड (एएफएसबी), वाराणसी का दौरा किया। गणमान्य व्यक्तियों ने विभिन्न तकनीकी सुविधाओं का दौरा किया, उन्हें चयन बोर्ड

डील, देहरादून में वाइस एडमिरल संदीप नैथानी, एवीएसएम, वीएसएम, मैटरियल प्रमुख

में की जा रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई और कम्प्यूटरीकृत पायलट चयन प्रणाली (सीपीएसएस) का प्रदर्शन भी देखा।

डीजीआरई, मनाली

डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ ने 27 जुलाई 2023 को रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई) आरडीसी, मनाली का दौरा किया। उनके साथ श्री पुरूषोत्तम बेज, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (आरएम), डॉ पीके सत्यवली, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीजीआरई और सीसी (आरएंडडी) एस्टेट्स, नॉर्थ और ईएमयू, आरएंडडी (एस्टेट्स) के अधिकारी भी थे। उन्होंने आरडीसी मनाली के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया और डीजीआरई अधिकारियों से बातचीत की। सचिव, डीडीआरएंडडी ने डीजीआरई की 32–बीघा भूमि पर आपातकालीन निकासी और राहत शिविर के लिए किए गए सभी प्रयासों और व्यवस्थाओं के लिए डीजीआरई प्रबंधन की सराहना की और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

दिहार मुख्यालय, लेह

डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ ने रक्षा उच्च ऊंचाई अनुसंधान संस्थान (दिहार), लेह का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान डॉ कामत ने दिहार प्रायोगिक–सह–प्रदर्शन क्षेत्रों का दौरा किया। दिहार के वैज्ञानिकों ने उन्हें दिहार द्वारा विकसित की गई विभिन्न तकनीकों और अन्य संभावित प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी, जिन पर अनुसंधान एवं विकास किया जा रहा है। इसके बाद अध्यक्ष ने दिहार के सभी कर्मचारियों को संबोधित किया और उनके साथ विस्तार से बातचीत की। चेयरमैन ने ताजा भोजन की उपलब्धता के मामले में सैनिकों और स्थानीय आबादी के जीवन को बेहतर बनाने में दिहार के प्रयासों की सराहना की।

डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ अपनी यात्रा के दौरान दिहार, लेह में

एचईएमआरएल, पुणे

एयर मार्शल संदीप सिंह, सैन्य सलाहकार, एनएससीएस ने 02 अगस्त 2023 को उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे का दौरा किया। यात्रा के दौरान, उन्होंने परियोजनाओं, प्रौद्योगिकियों और उपलब्धियों की स्थिति पर निदेशक, एचईएमआरएल और एचईएमआरएल के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की। उन्होंने हॉल ऑफ एनर्जी (प्रदर्शनी हॉल) का दौरा किया और एचईएमआरएल की प्रदर्शनियों और गतिविधियों में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने एचईएमआरएल में मल्टीपल मोटर प्रोसेसिंग सुविधा का भी दौरा किया और सुविधा और इसके महत्व की प्रशंसा की। उन्होंने भविष्य में जरूरत पड़ने पर अपने कार्यालय से हर तरह का सहयोग देने का भी वादा किया।

आईआरडीई, देहरादून

वाइस एडमिरल संदीप नैथानी, एवीएसएम, वीएसएम, और सामग्री प्रमुख, भारतीय नौसेना ने अपनी टीम के साथ 28 जुलाई 2023 को उपकरण अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (आईआरडीई), देहरादून का दौरा किया। डॉ अजय कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईआरडीई ने वाइस एडमिरल संदीप नैथानी का स्वागत किया। डॉ अजय कुमार ने उन्हें आईआरडीई द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों के बारे में विस्तार से बताया। वाइस

एडमिरल संदीप नैथानी ने इन उत्पादों और प्रौद्योगिकियों में गहरी रुचि ली। वाइस एडमिरल ने आईआरडीई डायमंड जुबली गैलरी का भी दौरा किया और गैलरी की विशेषताओं को देखा। उन्होंने गैलरी में प्रौद्योगिकी क्षेत्र, सिस्टम क्षेत्र, डाउन–द–मेमोरी लेन और लैब वाह क्षण देखे। उन्होंने उपयोगकर्ताओं के लिए इलेक्ट्रो–ऑप्टिक्स समाधान प्रदान करने में आईआरडीई की भूमिका की सराहना की।

ईसा, दिल्ली

मेजर जनरल वीटी मैथ्यू, वीएसएम, एमजीजीएस (डॉक्ट्रिन) मुख्यालय एट्रैक ने 09 अगस्त 2023 को पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा), दिल्ली का दौरा किया। श्री एसबी तनेजा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, ईसा ने उन्हें विभिन्न परियोजनाओं और तकनीकी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। चल रही परियोजनाओं, विकसित उत्पादों, सिस्टम विश्लेषण अध्ययन और वॉरगेम्स के बारे में प्रस्तुतियाँ दी गईं। इसके बाद भविष्य की भूमि वॉरगेम्स संबंधी परियोजनाओं पर चर्चा की गई और आगे बढ़ने का रास्ता अपनाया गया।

लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, वाईएसएम, वीएसएम, डीसीआईडीएस (पीपी एंड एफडी) ने 01 अगस्त 2023 को पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा), दिल्ली का दौरा किया।

श्री एसबी तनेजा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, ईसा ने उन्हें ईसा में विभिन्न सिस्टम विश्लेषण गतिविधियों और वॉरगेम्स के बारे में जानकारी दी। सिस्टम विश्लेषण अध्ययन और भूमि युद्ध खेल के विकसित उत्पादों के बारे में प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिसके बाद मुख्यालय आईडीएस द्वारा अग्रेषित अध्ययनों पर चर्चा और आगे बढ़ने का तरीका बताया गया।

वीआरडीई, अहमदनगर

लेफ्टिनेंट जनरल तुमुल वर्मा, एसएम, वीएसएम, डीजी ईएमई और सीनियर कर्नल कमांडेंट ने मेजर जनरल आरएस सुंदरम, एसएम, वीएसएम, एमजी ईएमई के साथ 25 जुलाई 2023 को वाहन अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (वीआरडीई), अहमदनगर का दौरा किया।

उन्हें वीआरडीई की चल रही विभिन्न परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने सभी वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ भी बातचीत की और ईएमई डीटीई द्वारा आवश्यक परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्हें नेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेस्टिंग (एनसीएटी) और ईएमसी टेस्ट सुविधा के साथ विभिन्न परीक्षण ट्रैक पर भी ले जाया गया। उन्हें व्हैप और व्हैप सीबीआरएन उपकरणों की प्रदर्शनी भी दिखाई गई।

निदेशक, ईसा एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ मेजर जनरल वीटी मैथ्यू, वीएसएम, एमजीजीएस (डॉक्ट्रिन) मुख्यालय एट्रैक